मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

भारतीय ज्ञान प्रणाली पर शोध के लिए जामिया के संकाय सदस्यों ने जीता प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार

नई दिल्ली, 2 जून, 2025

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) के संकाय सदस्यों और एक शोधार्थी की एक शोध टीम को यूएसए स्थित कॉमन ग्राउंड रिसर्च नेटवर्क द्वारा प्रतिष्ठित "कंस्ट्रक्टेड एनवायरनमेंट इंटरनेशनल अवार्ड फॉर एक्सीलेंस" से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार एक वार्षिक वैश्विक पुरस्कार है जो कंस्ट्रक्टेड एनवायरनमेंट के क्षेत्र में उत्कृष्ट शोध प्रकाशनों को दिया जाता है। यह पुरस्कार इस क्षेत्र में अभिनव अनुसंधान और ज्ञान साझाकरण को बढ़ावा देने के लिए कॉमन ग्राउंड रिसर्च नेटवर्क की पहल का हिस्सा है। उल्लेखनीय रूप से, यह पहली बार है कि भारतीय शोधकर्ताओं ने अपने 15 साल के इतिहास में यह पुरस्कार जीता है।

आर्किटेक्चर विभाग के प्रोफेसर निसार खान और प्रोफेसर हिना जिया की देखरेख में पीएचडी स्कॉलर रिपु दमन सिंह द्वारा किए गए शोध ने अमृतसर शहर के प्रसिद्ध खालसा कॉलेज के डिजाइन में प्रोपोर्शनिंग सिस्टम एम्प्लोयेड को डिकोड किया। प्राइमरी स्टडी और वास्तुकला संबंधी दस्तावेज़ीकरण के माध्यम से, अध्ययन ने स्पष्ट किया कि इमारत के डिज़ाइन में इस्तेमाल किए गए प्रोपोर्शन्स पश्चिमी प्रोपोर्शन्स के बजाय भारतीय पारंपरिक कारपेंटरी से लिए गए थे।

इस शोध की सराहना भारतीय मूल के बढ़ई से वास्तुकार बने भाई राम सिंह के योगदान को उजागर करने के लिए भी की गई है, जो अपने पारंपरिक भारतीय ज्ञान और कौशल के कारण ब्रिटिश शासन के दौरान प्रमुखता से उभरे, उस समय जब यूरोपीय वास्तुकारों का दबदबा था। शोध ने आगे साबित किया कि भाई राम सिंह एक बहुमुखी प्रतिभा वाले वास्तुकार थे, जो इमारतों को डिज़ाइन करने के अलावा अंदरूनी हिस्सों, फ़र्नीचर, हार्डवेयर और साइनेज में भी समान रूप से बहुमुखी ज्ञान रखते थे। शोध में बताया गया कि भाई राम सिंह ब्रिटिश शासन के दौरान उन कुछ भारतीय मूल के वास्तुकारों में से एक थे जिन्हें यूनाइटेड किंगडम में प्रोजेक्ट डिज़ाइन करने के लिए आमंत्रित किया गया था।

शोध टीम का काम वास्तुकला में इस्तेमाल की जा रही विस्मृत हुई भारतीय ज्ञान प्रणालियों की खोज में एक महत्वपूर्ण योगदान है। यह औपनिवेशिक काल के दौरान भारतीय मूल के वास्तुकारों के योगदान के बारे में चर्चा को भी बदल देता है। यह पुरस्कार भारत की वास्तुकला विरासत को उजागर करने और निर्मित वातावरण को आकार देने में भारतीय ज्ञान प्रणालियों के महत्व को प्रदर्शित करने के लिए टीम के समर्पण का प्रमाण है।

पुरस्कार के बारे में अधिक जानकारी के लिए कृपया https://constructedenvironment.com/journal/awards पर जाएँ

प्रो. साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी
जामिया मिल्लिया इस्लामिया